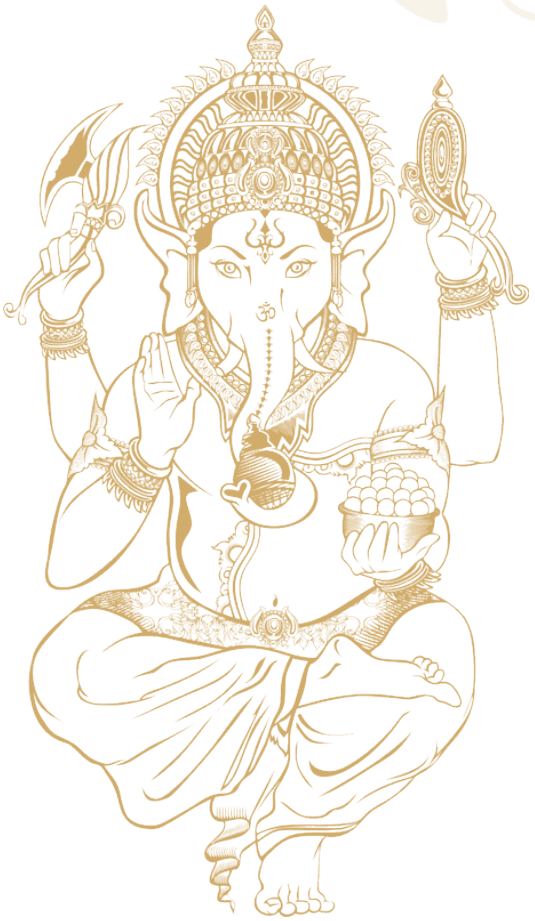

Mr.Aanv srivatav

21 Mar 2018

09:36 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 119304003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/03/2018**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**21:36:00 घंटे**
इष्ट	37:13:51 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:57:20 घंटे
वेलान्तर	-00:07:13 घंटे
साम्पातिक काल	08:53:50 घंटे
सूर्योदय	06:42:27 घंटे
सूर्यास्त	18:49:39 घंटे
दिनमान	12:07:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	06:52:45 मीन
लग्न के अंश	16:29:03 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	विष्कुम्भ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:29:03	328:22:46	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	06:52:45	00:59:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	28:09:04	13:49:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	08:09:39	00:34:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			मीन	22:40:48	00:10:47	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	नीच राशि
गुरु	व		तुला	28:52:13	00:02:20	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	24:07:02	01:14:17	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	उच्च राशि
शनि			धनु	14:25:41	00:02:39	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	19:43:17	00:06:02	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:43:17	00:06:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	02:49:05	00:03:10	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	20:28:02	00:02:12	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	26:55:37	00:00:56	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	16:53:38	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:29

लग्न-चलित

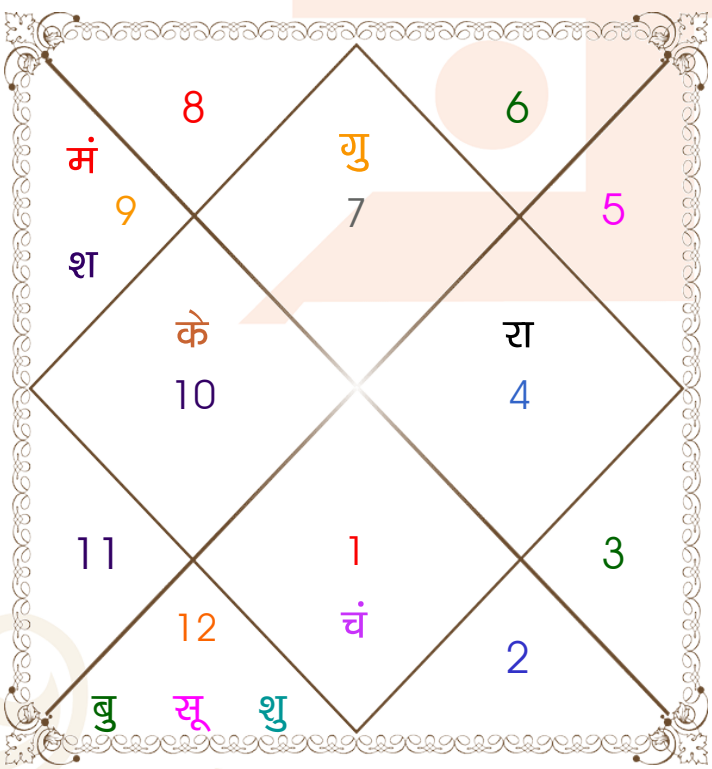

चन्द्र कुंडली

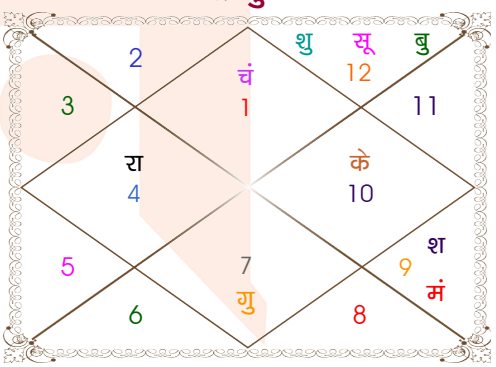

नवमांश कुंडली

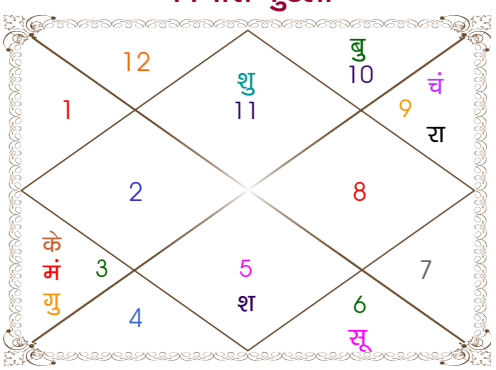

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 3 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/03/2018		21/07/2023		20/07/2033		20/07/2040		21/07/2058	
21/07/2023		20/07/2033		20/07/2040		21/07/2058		21/07/2074	
	21/03/2018	चंद्र	20/05/2024	मंगल	17/12/2033	राहु	02/04/2043	गुरु	07/09/2060
चंद्र	09/05/2018	मंगल	19/12/2024	राहु	04/01/2035	गुरु	26/08/2045	शनि	21/03/2063
मंगल	13/09/2018	राहु	20/06/2026	गुरु	11/12/2035	शनि	02/07/2048	बुध	26/06/2065
राहु	08/08/2019	गुरु	20/10/2027	शनि	19/01/2037	बुध	19/01/2051	केतु	02/06/2066
गुरु	26/05/2020	शनि	21/05/2029	बुध	16/01/2038	केतु	07/02/2052	शुक्र	31/01/2069
शनि	08/05/2021	बुध	20/10/2030	केतु	14/06/2038	शुक्र	07/02/2055	सूर्य	19/11/2069
बुध	15/03/2022	केतु	21/05/2031	शुक्र	14/08/2039	सूर्य	01/01/2056	चंद्र	21/03/2071
केतु	21/07/2022	शुक्र	19/01/2033	सूर्य	20/12/2039	चंद्र	02/07/2057	मंगल	25/02/2072
शुक्र	21/07/2023	सूर्य	20/07/2033	चंद्र	20/07/2040	मंगल	21/07/2058	राहु	21/07/2074

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/07/2074		20/07/2093		22/07/2110		21/07/2117		21/07/2137	
20/07/2093		22/07/2110		21/07/2117		21/07/2137		00/00/0000	
शनि	23/07/2077	बुध	17/12/2095	केतु	18/12/2110	शुक्र	20/11/2120	सूर्य	08/11/2137
बुध	02/04/2080	केतु	13/12/2096	शुक्र	17/02/2112	सूर्य	20/11/2121	चंद्र	22/03/2138
केतु	11/05/2081	शुक्र	14/10/2099	सूर्य	24/06/2112	चंद्र	22/07/2123		00/00/0000
शुक्र	11/07/2084	सूर्य	21/08/2100	चंद्र	23/01/2113	मंगल	20/09/2124		00/00/0000
सूर्य	23/06/2085	चंद्र	20/01/2102	मंगल	21/06/2113	राहु	21/09/2127		00/00/0000
चंद्र	22/01/2087	मंगल	17/01/2103	राहु	10/07/2114	गुरु	22/05/2130		00/00/0000
मंगल	02/03/2088	राहु	06/08/2105	गुरु	15/06/2115	शनि	21/07/2133		00/00/0000
राहु	07/01/2091	गुरु	12/11/2107	शनि	24/07/2116	बुध	21/05/2136		00/00/0000
गुरु	20/07/2093	शनि	22/07/2110	बुध	21/07/2117	केतु	21/07/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 3 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।